सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2024-25

कक्षा:-6	**विषय:**हिन्दी पाठ्यपुस्तक	**पाठ:5**

मौखिक

1.प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) कविता में निडर हवा को कहा गया है।

(ख) बढ़ती हवा ने स्वयं को अज़ब मुसाफिर कहा है।

(ग) बसंती हवा महुआ और आम के पेड़ों से होकर गुजरी।

(घ) अलसी के सिर पर कलश था।

(ङ) हवा ने अरहरी को पथिक के ऊपर धकेल दिया।

लिखित

2.प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बसंती हवा की कई विशेषताएँ हैं। वह बढ़ी बावली और मस्तमौला है। वह बेफ्रिक होकर जहाँ चाहती है, घूमती रहती है। बसंती हवा अजब मुसाफिर है। वह पेड़-पौधों एवं खेत-खलिहानों के बीच घूमती रहती वह किसी को उदास नहीं रहने देती।

(ख) हवा शहर, गाँव, बस्ती, नदी, रेत, निर्जन, हरे खेत और पोखर तक गई।

(ग) पेड़ों से उतरकर हवा हरे खेत में भागी। गेहूँ के खेतों में लहराती रही। अलसी को हिलाया डुलाया किंतु वह न हिली न डुली। हारकर उसने सरसों को हिलाया। उसे देखकर अरहरी लजाने लगी। हवा ने शरारत वश उसे पथिक पर धकेल दिया। ऐसा करने से सभी दिशाएँ और संपूर्ण सृष्टि हँसने लगी।

(घ) हवा के साथ-साथ सारी दिशाएँ, हरे-भरे लहलहाते खेत, चमकती हुई धूप और सारी की सारी सृष्टि हँस पड़ी।

(ङ) 'हँसी सृष्टि सारी' से तात्पर्य प्रकृति की सुंदरता से है। चंचल हवा प्रकृति को हँसाती रहती है।

पंक्तियों को उनके सही अंश के साथ जोड़िए-

(क) हवा हूँ हवा मैं बंसती हवा हूँ।

(ख) जिधर चाहती हूँ उधर घूमती हूँ।

(ग) झुलाती चली मैं झुमाती चली मैं।

(घ) चढ़ी पेड़ महुआ थपाथप मचाया।

(ङ) वहाँ गेहुओं में लहर खूब मारी।

(च) मुझे देखते ही अरहरी लजाई।

उचित विकल्प के सामने () का चिह्न बनाइए-

(क) जिधर चाहती है (ख) अलसी को (ग) अरहरी